
Skandakritam Shiva Ashtakam

स्कन्दकृतं शिवाष्टकम्

Document Information

Text title : Skandakritam Shiva Ashtakam

File name : shivAShTakamskandakRRitaM.itx

Category : shiva, shivarahasya, aShTaka

Location : doc_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | mAhesHvarAkhyah prathamAMshaH | adhyAyaH 10 | 3-10||

Latest update : December 17, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 17, 2023

sanskritdocuments.org

Skandakritam Shiva Ashtakam

स्कन्दकृतं शिवाष्टकम्



जय जय मङ्गलतरसुन्दरतममङ्गलापते
जय जय विश्वविधानसंस्थितिनिध(धा)नशिक्षाशयण
बन्धुतरसुन्दर(सिन्धुर)वरकृत्तिवसन मुनिवृन्दविनुत
निन्दितमभसंभृते सुरनन्दितगणपुरमारक
भवशोषणगरलाशन शमनभयकम्पितमुनिपोतकशरण
अरुणाधिपकरुणाकर जनतारणतरणिस्थित
सुरकारणमारशोषण त्रिगुणनिगमगणपोषणयरण
शरणं भव शरणं भव शरणं भव ध्यया ॥ १ ॥

निगमागमवचनातिग यमिमानसगगनान्तर
वयुनस्थितिसुरकारण मारशोषण
भवनाशन वरछारक दलनामलनयन
मननातिग वृषवाहनगमन भवनाशन वसिताशक
सुरभूसुरनिकरावन पितृकाननविभृते दलराकृत्तिकुलरातिग
वरभूधरशयन भरशीतजकरसंस्थित मुरभेदनशरधारण
पुरनाशन निगमप्रजतुरगोत्तम उरगाधिपकृतशिञ्जनिवरकार्मुक
मृगधृङ् कुलिशायुधमुभद्वैतभट्टरक्षणयतुर
शरणं भव शरणं भव शरणं भव ध्यया ॥ २ ॥

दलनानिलतपनामरवरभूसुर जलनायक
शमनाकृतविनतेकलिताभिलयरजङ्गम जगतामवन (जनतावन)
जननादिक ललितोत्तमथरित भरितानतवरतात जनतापभृते
विनतात्मजवाहनार्यन जनितातुलदयथा
विक्रयाम्बुजनिभलोचनरथसंवलनप्रद
विधिमौलिजङ्गलकामलशयभूषित भगवन्
पवनानलवलमारणबलशोषण तृणयालनमपि कृते
कृणुते न छि निभिलागमशिरसंस्तुतथरित

शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ३ ॥

व(क)रुणालयमथनोद्भवगारलोत्थितमलसा सुरकिन्नरउरवलानहरिसायकरभसा

(सुरकिन्नरउरवलनहरिसायकरभसा, सुरकिन्नरपरिपालनहरिसायकरभसा)

कवलीकृतगरसम्भवनलिनामलशुभकन्धर जलदोपम भगवन्

मधुमारणनयनामलनलिनार्थित

पदपङ्कजलुलिताम्बुधियुलुकीकृतघटसम्भवनुतितोषित

यतिमानसवरभूषण कृष्टिकङ्कण भगवन्

दुरितापल चलितामलललितेन्दुकलालवविमलीकृतजगते

शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ४ ॥

मभसन्मभुलवनाशन मुभतर्पितलविभक्षण विबुधग्रजनलिनोत्थित

मडिमातिग परिपूजनरडितातुलमन्युकृतेमननोत्थित

गाणगर्जनपरितर्जनसुरभर्जन विधिनन्दनकृतशिक्षण

परिपूरितदुरिवान्तक गजमारणकरण

अगजाधिप भुजगाधिपशयनार्पित विधिमौलिजकलितअज

बलभिन्मतभगदैवतनयनाम्बुजनाशकृते

शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ५ ॥

जटिलालक मृगनायकमदपाटन जनिताम्बरकटिशोभित

व(त)टसंस्थित निगमागमभटगोषक(घोषित) सुरनायकत्रुटितापिल

जगद्दुद्भवघटकर्पर हरिशर(हरिसायक) ((बल))कर्षण पुरदाडन भगवन्

पटुताकृतिनिभिलस्थितिकटुकीभव(कृत)जलधे

भवदागमजगद्दुद्भम(द्भव)जलदालयवडन

त्रिपुरान्तक शमितान्तक शमितान्धक शमितापिलदुःख विभो

शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ६ ॥

पवनाशनमणिकङ्कणगारलाशन मधुसूदनबलनाशन यमुनानुजभवनाशन

सिकताशनतनयामल गाणसत्तम गाणबन्धुर लृटयानन मुनिसत्तम

विनुतगाण(गुण)गार्जितवदनायित शशिधामककृतनेत्रक

उडुनायकशिभरामर वरनायककुमुदाकर

समुदायजततलोचन द्विरदाननसुतलर्षदतरुणोन्मूललाम

मसुणारुणनभजोत्पल कलिकायितसुरजालकमकुटीतटघटिताम्बुजपाद

शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ७ ॥

अपिलाऽऽजशुकुतुऽऽजघटनोत्थित मधुरायितसुभतन्द्रिजरससारस
पदनामजमुनिगीतविनोद कनकाम्बुजनितापिलजग(जन)प्राऽन
यमदऽन शशिप्राऽन कलितामलशिरसे
मृदुमिऽत उरगेश्वरकृतकुऽलविधिप्राऽन
शिप्राऽवरलोचन (शिपिऽम्बरकृतलोचन) वऽवानलकृतजिह्वक
शिपिवाऽनकृतभोधन श्रुतिमऽलशिरसे
पुरदऽन नगकोदऽजशरिशरकर्षणामऽलकरभञ्जन
मुनिमऽलकृतक्षणाप्राऽपरशो ताऽनन्दिगाऽभृङ्गिच्यऽऽकृततालमद्वलज
धुङ्धुमध्वनि((ज))मङ्गुधर्गरितरङ्गनाट्यपर जङ्गुजाविततनीरतीरविलसच्छिवलिङ्ग
शरणं भव शरणं भव शरणं भव दयया ॥ ८ ॥

॥ इति शिवरऽस्थान्तर्गते माहेश्वराभ्ये स्कन्दकृतं शिवाष्टकम् ॥

- ॥ श्रीशिवरऽस्थम् । माहेश्वराभ्यः प्रथमांशः । अध्यायः १० । ३-१० ॥


- .. shrIshivarahasyam . mAheshvarAkhyah prathamAMshaH . adhyAyaH 10 . 3-10..

Notes:

Skanda स्कन्द eulogizes Aṣṭākṛti Śiva अष्टकृति शिव with Aṣṭakam अष्टकम् - an eight stanza composition.

The shloka numbers have been renumbered for convenience of the reader.

Encoded and proofread by Ruma Dewan

——
Skandakritam Shiva Ashtakam

pdf was typeset on December 17, 2023

——

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

